K. C. E. Society's
Moolji Jaitha College
An 'Autonomous College' Affiliated to
K.B.C. North Maharashtra University, Jalgaon.
NAAC Reaccredited Grade - A (CGPA : 3.15 - 3rd Cycle)
UGC honoured "College of Excellence" (2014-2019)
DST(FIST) Assisted College

KNOWLEDGE IS POWER
ESTD. 1945

के. सी. ई. सोसायटीचे
मूळजी जेठा महाविद्यालय
क.ब.चौ. उत्तर महाराष्ट्र विद्यापीठ, जळगाव संलग्नित
'स्वायत्त महाविद्यालय'
नॅकद्वारा पुनर्मानांकित श्रेणी - 'ए' (सी.जी.पी.ए. : ३.१५ - तिसरी फेरी)
विद्यापीठ अनुदान आयोगाद्वारा घोषित 'कॉलेज ऑफ एक्सलन्स' (२०१४-२०१९)
डी.एस.टी. (फीस्ट) अंतर्गत अर्थसहाय्य प्राप्त

Date :- 25/04/2025

NOTIFICATION

Sub :- CBCS Syllabi of B. A. /B.Com. / B.Sc. in Hindi (Sem. III & VI)

Ref. :- Decision of the Academic Council at its meeting held on 22/04/2025.

The Syllabi of B. A. /B.Com. / B.Sc. in Hindi (Third and Fourth Semesters) as per **NATIONAL EDUCATION POLICY – 2020 (2024 Pattern)** and approved by the Academic Council as referred above are hereby notified for implementation with effect from the academic year 2025-26.

Copy of the Syllabi Shall be downloaded from the College Website (www.kcesmjcollege.in)

Sd/-
Chairman,
Board of Studies

To :

1) The Head of the Dept., M. J. College, Jalgaon.
2) The office of the COE, M. J. College, Jalgaon.
3) The office of the Registrar, M. J. College, Jalgaon.

Near Samarth Colony, Jalgaon - 425 002. (Maharashtra, India) | Ph. : +91 257 - 2237363, 2234281 | e-mail : mjcollege@kces.in | Website : mjcollege.kces.in
समर्थ कॉलनी जवळ, जळगांव – ४२५ ००२. (महाराष्ट्र, भारत) । दूरध्वनी क्र. : +९१ २५७-२२३७३६३, २२३४२८१ । ई-मेलः mjcollege@kces.in । वेबसाईटः mjcollege.kces.in

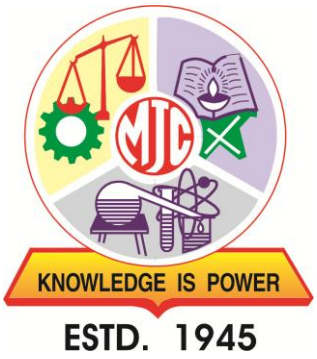

के.सी.ई.सोसायटी संचालित

मूलजी जेठा (स्वशासी) महाविद्यालय, जलगांव

हिंदी विभाग

पाठ्यक्रम

द्वितीय वर्ष कला और द्वितीय वर्ष विज्ञान/वाणिज्य

STRUCTURE AND SYLLABUS

S. Y. B. A. /S.Y.B.COM./S.Y.B.SC.

तृतीय सत्र और चतुर्थ सत्र (Semester III & IV)

NEP 2020 के अनुसार

(शै.सत्र-2025-26 के लिए जून 2025 से लागू)

प्रस्तावना :

विद्यार्थियों को समुचित ज्ञान के साथ-साथ कौशल और अनुभव पर आधारित शिक्षा मिले यह समय की मांग थी। अत: उच्च शिक्षा में कालानुरूप बदलाव अत्यावश्यक था। मूलजी जेठा महाविद्यालय (स्वशासी) ने UGC और महाराष्ट्र शासन के आदेश तथा नियमावली को मद्देनजर रखते हुए NEP-2020 का स्वीकार किया है। जिसके तहत हिंदी विभाग के हिंदी अध्ययन मंडल के सदस्यों ने स्नातक स्तर पर नूतन पाठ्यक्रम का ढांचा तैयार किया है। जिसमें...

हिंदी काव्य की विधा खंडकाव्य तथा गद्य की विधाएं उपन्यास, कहानी, एकांकी तथा नाटकों की सैद्धांतिकी को समझाते हुए उसमें निहित मूल्यों की पहचान करवाना इस पाठ्यक्रम का एक मकसद हैं। उसी प्रकार प्रस्तुत पाठ्यक्रम हिंदी साहित्य के साहित्यिक युगों, काव्य और गद्य शैलियों, लेखकों और उनकी प्रमुख रचनाओं की जानकारी प्रदान करता है। उसी प्रकार इस पाठ्यक्रम में हिंदी के व्यवहारिक पक्ष की चर्चा प्रयोजनमूलक हिंदी के अंतर्गत होनी अपेक्षित है। इस बार विज्ञानं तथा वाणिज्य के छात्रों के लिए विज्ञान कथाओं तथा नव उद्यमियों की प्रेरक कथाओं का समावेश किया गया है। यह प्रथम बार हिंदी पाठ्यक्रम का हिस्सा बना हुआ है। उपरोक्त आयामों पर यथोचित अनुसंधान की दिशा में अग्रसर करने की कोशिश भी की जाएगी।

Program Specific Outcome PSO (B.A. Hindi) :

After completion of this course, students are expected to learn/understand the:

PSO No.	PSO
1	हिंदी उपन्यास, नाटक, खंडकाव्य, रेखाचित्र एवं लघुकथा के विभिन्न आयामों से अवगत कराना
2	हिंदी साहित्य में निहित मानवीय तथा जीवन मूल्यों का परिचय देना
3	गद्य तथा पद्य से संबंधित विशेष विधाओं एव साहित्यकारों का समुचित मूल्यांकन करना
4	प्रयोजनमूलक हिंदी के अध्ययन के माध्यम से हिंदी के व्यावहारिक पक्ष की पहचान करना
5	विज्ञान कथाओं और उद्यमियों की प्रेरक कहानियों के माध्यम से नव प्रेरणा देने की कोशिश करना

Multiple Entry and Multiple Exit options:

The multiple entry and exit options with the award of UG certificate/ UG diploma/ or three-year degree depending upon the number of credits secured;

Levels	Qualification Title	Credit Requirements		Semester	Year
		Minimum	Maximum		
4.5	UG Certificate	40	44	2	1
5.0	UG Diploma	80	88	4	2
5.5	Three Year Bachelor's Degree	120	132	6	3
6.0	Bachelor's Degree - Honors **Or** Bachelor's Degree- Honors with Research	160	176	8	4

Examination Pattern will be notified separately

NHEQF level	Examples of higher education qualifications located within each level
Level 4.5	Undergraduate Certificate. Programme duration: First year (first two semesters) of the undergraduate programme, followed by an exit 4-credit skills-enhancement course(s).
Level 5	Undergraduate Diploma. Programme duration: First two years (first four semesters) of the undergraduate programme, followed by an exit 4-credit skills-enhancement course(s) lasting two months.
Level 5.5	Bachelor's Degree. Programme duration: First three years (Six semesters) of the four-year undergraduate programme.
Level 6	Bachelor's Degree (Honours/ Honours with Research). Programme duration: Four years (eight semesters).
Level 6	Post-Graduate Diploma. Programme duration: One year (two semesters) for those who exit after successful completion of the first year (two semesters) of the 2-year master's programme.

Structure for SYBA, for Academic Year 2025-2026
Faculty of Arts, Humanities & Social Sciences
Department of Hindi
SYBA SEM- III

Semester	Course	Code	TH/PR	Title of the Paper	Credits	Hours/ week	Total
Sem-III	DSC	HIN DSC- 231	TH	खंडकाव्य	4	4	20
	DSC	HIN DSC- 232	TH	उपन्यास	2	2	
	Minor	HIN MIN-231	TH	खंडकाव्य	4	4	
	Minor	HIN MIN-232	TH	उपन्यास	2	2	
	SEC	HIN SEC- 231	TH	विज्ञापन लेखन	2	2	
	OE*	HIN OE- 231	TH	एकांकी	2	2	
	AEC/ MIL	HIN MIL- 231	TH	हिंदी साहित्य एवं भाषा दक्षता	2	2	
	#CEP	HIN CEP 231	PR	Community Engagement Programme	2	4	

SYBA SEM- IV

Sem-IV	DSC	HIN DSC- 241	TH	नाटक	4	4	20
	DSC	HIN DSC- 242	TH	लघुकथा	2	2	
	Minor	HIN MIN - 241	TH	नाटक	4	4	
	SEC	HIN SEC- 241	TH	प्रयोजनमूलक हिंदी	2	2	
			PR	प्रात्यक्षिक -विज्ञापन और प्रयोजनमूलक हिंदी	2	2	
	OE*	HIN OE - 241	TH	व्यंग्य साहित्य	2	2	
	AEC/ MIL	HIN MIL - 241	TH	विज्ञान कथाएं एवं उद्यमियों की प्रेरक कथाएं	2	2	
	#FP	HIN FP - 241	PR	Field Project	2	4	

* केवल विज्ञान तथा वाणिज्य संकाय हेतु पाठ्यक्रम

CEP & FP guidelines are given on pages 18-23 in this document.

DSC	:	Department-Specific Core course	IKS	:	Indian Knowledge System
DSE	:	Department-Specific elective	CC	:	Co-curricular course
GE/OE	:	Generic/ Open elective	TH	:	Theory
SEC	:	Skill Enhancement Course	PR	:	Practical
MIN	:	Minor course	ES	:	Environmental studies
AEC	:	Ability Enhancement Course	CI	:	Constitution of India
VEC	:	Value Education Courses	MIL	:	Modern Indian Languages

तृतीय सत्र (Semester-III)

द्वितीय वर्ष कला (S.Y.B.A. HINDI)

तृतीय सत्र (Semester III)

HIN DSC-231: खंडकाव्य

श्रेयांक (Credits) : 04 **अंतर्गत परीक्षा :** 40

कुल अंक : 100 **सत्रांत परीक्षा:** 60

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective)	1.छात्रों को आधुनिक हिंदी काव्य एवं उसकी प्रवृत्तियों से परिचित कराना 2.खंडकाव्य की प्रवृत्तियाँ एवं उनके तात्विक स्वरूप का ज्ञान कराना 3.भारतीय संस्कृति के प्रति आस्था एवं समीक्षात्मक दृष्टि विकसित कराना 4. खंडकाव्य के अध्ययन से चिंतन, मनन की क्षमता विकसित करना	
पाठ्यक्रम का प्रतिफल (Course Outcomes)	1. छात्र आधुनिक हिंदी काव्य और उसकी प्रवृत्तियों से परिचित होंगे 2. छात्र खंडकाव्य के तात्विक स्वरूप का ज्ञान प्राप्त करेंगे 3. छात्रों में भारतीय संस्कृति की समझ एवं समीक्षात्मक दृष्टि विकसित होगी 4. खंडकाव्य के अध्ययन से चिंतन, मनन की क्षमता विकसित होगी	
इकाई Unit	**पाठ Content**	**तसिकाएं Hours**
Unit I	1.खंडकाव्य विधा का सैद्धांतिक परिचय 1.1 खंडकाव्य का स्वरूप 1.2 खंडकाव्य की परिभाषाएं 1.3 खंडकाव्य के तत्व 1.4 खंडकाव्य का विकास 1.5 महाकाव्य और खंडकाव्य की तुलना	15
Unit II	2.पुस्तक: महाप्रस्थान (खंडकाव्य) कवि: नरेश मेहता प्रकाशन : लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद 2.1 नरेश मेहता का व्यक्तित्व एवं कृतित्व 2.2 महाप्रस्थान की भूमिका 2.3 यात्रा पर्व 2.4 स्वाहा पर्व 2.5 स्वर्ग पर्व	15
Unit III	3. अध्ययनार्थ विषय 3.1 महाप्रस्थान का आधुनिक बोध 3.2 महाप्रस्थान में मूल्य संवर्धन 3.3 महाप्रस्थान में युद्ध चिंतन 3.4 महाप्रस्थान में मिथकीयता	15
Unit IV	4.अध्ययनार्थ विषय 4.1 महाप्रस्थान में उदात्त चरित्र दृष्टि 4.2 महाप्रस्थान की शीर्षक की सार्थकता 4.3 महाप्रस्थान की भाषा शैली 4.4 महाप्रस्थान खंडकाव्य का उद्देश्य	15

संदर्भ/सहायक ग्रंथ सूची	• सहगल शशि, साहित्य विधाएं, किताबघर, नई दिल्ली,प्र.सं.1992 • राय, गुलाब, काव्य के रूप. आत्माराम एण्ड संस, दिल्ली,सं.1969 • बाजपेयी, आ.नंददुलारे, हिंदी साहित्य : बीसवीं शताब्दी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद • शर्मा, डॉ.शिवकुमार, हिंदी साहित्य : युग और प्रवृत्तियां, अशोक, प्रकाशन, नई दिल्ली, सं.1994 • मिश्र, डॉ.भगीरथ-भारतीय काव्यशास्त्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली • बोहरा- आधुनिक हिंदी काव्य की प्रवृत्तियां, जयभारती प्रकाशन, जयपुर • नगेंद्र-मिथक और साहित्य, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली • वर्मा, डॉ.सूर्यनारायण- नई कविता पुराख्यान और समकालीन, जय भारती प्रकाशन, इलाहाबाद • शर्मा, डॉ.प्रभाकर-नरेश मेहता का काव्य विमर्श और मूल्यांकन, भ्रमशिल प्रकाशन, जयपुर • गोयल, डॉ. शिव प्रसाद-हिंदी के खंडकाव्य , चिंता प्रकाशन, कानपुर • शर्मा, डॉ.कविता- नरेश मेहता के खंडकाव्य, पार्श्व प्रकाशन, अहमदाबाद

द्वितीय वर्ष कला (S.Y.B.A. HINDI)

तृतीय सत्र (Semester III)

HIN DSC-232: उपन्यास

श्रेयांक (Credits) : 02 **अंतर्गत परीक्षा :** 20

कुल अंक : 50 **सत्रांत परीक्षा:** 30

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective)	1.छात्रों को आधुनिक हिंदी कथा साहित्य एवं उसकी प्रवृत्तियों से परिचित कराना 2.उपन्यास के तात्विक स्वरूप का ज्ञान कराना 3. छात्रों में सामाजिक मूल्यों का बीजवपन करना 4. उपन्यास के अध्ययन से चिंतन, मनन की क्षमता विकसित करना	
पाठ्यक्रम का प्रतिफल (Course Outcomes)	1.छात्र आधुनिक हिंदी कथा साहित्य और उसकी प्रवृत्तियों से परिचित होंगे 2. छात्र उपन्यास के तात्विक स्वरूप का ज्ञान प्राप्त करेंगे 3. छात्रों में सामाजिक मूल्यों का बीजवपन होगा 4. छात्रों में उपन्यास के अध्ययन से चिंतन, मनन की क्षमता का विकसित होगा	
इकाई Unit	**पाठ Content**	**तसिकाएं Hours**
Unit I	**1.उपन्यास विधा का सैद्धांतिक विवेचन** 1.1 हिंदी उपन्यास का स्वरूप परिभाषा 1.2 उपन्यास के तत्व 1.3 उपन्यास की विकास यात्रा	07
Unit II	**2.निर्धारित पुस्तक :** पुस्तक: **छप्पर (उपन्यास)** लेखक: जयप्रकाश कर्दम, प्रकाशन: राहुल प्रकाशन, विश्वास नगर, दिल्ली 2.1 जयप्रकाश कर्दम का व्यक्तित्व और कृतित्व	08
Unit III	**3.अध्ययनार्थ विषय** 3.1 छप्पर उपन्यास की कथावस्तु 3.2 छप्पर उपन्यास की भाषा 3.3 छप्पर में शोषण का चित्रण 3.4 छप्पर उपन्यास के पात्रों का चरित्र – चित्रण	07
Unit IV	**4.अध्ययनार्थ विषय** 4.1 छप्पर उपन्यास में चित्रित दलित चेतना 4.2 छप्पर उपन्यास में चित्रित नारी वेदना 4.3 छप्पर उपन्यास का उद्देश्य 4.4 छप्पर उपन्यास के शीर्षक की सार्थकता	08

संदर्भ/सहायक ग्रंथ सूची	• सहगल शशि, साहित्य विधाएं, किताबघर, नई दिल्ली,प्र.सं.1992 • राय, गुलाब, काव्य के रूप. आत्माराम एण्ड संस, दिल्ली,सं.1969 • बाजपेयी, आ.नंददुलारे, हिंदी साहित्य : बीसवीं शताब्दी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद • शर्मा, डॉ.शिवकुमार, हिंदी साहित्य : युग और प्रवृत्तियां, अशोक, प्रकाशन, नई दिल्ली, सं.1994 • तिवारी, डॉ.रामचंद्र, हिंदी गद्य का विकास, लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद, सं. 1998 • सिंह, बच्चन, हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, प्र.सं. 2008 • द्विवेदी रामअवध, साहित्य रूप, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना,सं.1963, • कर्दम, डॉ.जयप्रकाश (संपा)- दलित साहित्य, आतिश प्रकाशन, दिल्ली • त्रिपाठी, डॉ.सत्यदेव- उपन्यास समकालीन विमर्श, अमन प्रकाशन, कानपुर • शर्मा, डॉ.केशव देव-आधुनिक हिंदी उपन्यास और वर्ग संघर्ष, राधा पब्लिकेशन, दिल्ली • डॉ.आनंद-हिंदी साहित्य में दलित चेतना, विद्या प्रिंटर्स, कानपुर • राम, जगजीवन- भारत में जातिवाद और हरिजन समस्या, राजपाल प्रकाशन, दिल्ली • कर्दम, डॉ.जयप्रकाश (संपा)- दलित साहित्य, आतिश प्रकाशन, दिल्ली • त्रिपाठी, डॉ.सत्यदेव- उपन्यास समकालीन विमर्श, अमन प्रकाशन, कानपुर

द्वितीय वर्ष कला (S.Y.B.A.HINDI)

तृतीय सत्र (Semester III)

HIN MIN-231: खंडकाव्य

श्रेयांक (Credits) : 04 **अंतर्गत परीक्षा :** 40

कुल अंक : 100 **सत्रांत परीक्षा:** 60

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective)	1.छात्रों को आधुनिक हिंदी काव्य एवं उसकी प्रवृत्तियों से परिचित कराना 2.खंडकाव्य की प्रवृत्तियाँ एवं उनके तात्विक स्वरूप का ज्ञान कराना 3.भारतीय संस्कृति के प्रति आस्था एवं समीक्षात्मक दृष्टि विकसित कराना 4. खंडकाव्य के अध्ययन से चिंतन, मनन की क्षमता विकसित करना	
पाठ्यक्रम का प्रतिफल (Course Outcomes)	1. छात्र आधुनिक हिंदी काव्य और उसकी प्रवृत्तियों से परिचित होंगे 2. छात्र खंडकाव्य के तात्विक स्वरूप का ज्ञान प्राप्त करेंगे 3. छात्रों में भारतीय संस्कृति की समझ एवं समीक्षात्मक दृष्टि विकसित होगी 4. खंडकाव्य के अध्ययन से चिंतन, मनन की क्षमता विकसित होगी	
इकाई Unit	**पाठ Content**	**तसिकाएं Hours**
Unit I	1.खंडकाव्य विधा का सैद्धांतिक परिचय 1.1 खंडकाव्य का स्वरूप 1.2 खंडकाव्य की परिभाषाएं 1.3 खंडकाव्य के तत्व 1.4 खंडकाव्य का विकास 1.5 महाकाव्य और खंडकाव्य की तुलना	15
Unit II	2.पुस्तक: महाप्रस्थान (खंडकाव्य) कवि: नरेश मेहता प्रकाशन : लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद 2.1 नरेश मेहता का व्यक्तित्व एवं कृतित्व 2.2 महाप्रस्थान की भूमिका 2.3 यात्रा पर्व 2.4 स्वाहा पर्व 2.5 स्वर्ग पर्व	15
Unit III	3. अध्ययनार्थ विषय 3.1 महाप्रस्थान का आधुनिक बोध 3.2 महाप्रस्थान में मूल्य संवर्धन 3.3 महाप्रस्थान में युद्ध चिंतन 3.4 महाप्रस्थान में मिथकीयता	15
Unit IV	4.अध्ययनार्थ विषय 4.1 महाप्रस्थान में उदात्त चरित्र दृष्टि 4.2 महाप्रस्थान की शीर्षक की सार्थकता 4.3 महाप्रस्थान की भाषा शैली 4.4 महाप्रस्थान खंडकाव्य का उद्देश्य	15

संदर्भ/सहायक ग्रंथ सूची	• सहगल शशि, साहित्य विधाएं, किताबघर, नई दिल्ली,प्र.सं.1992 • राय, गुलाब, काव्य के रूप. आत्माराम एण्ड संस, दिल्ली,सं.1969 • बाजपेयी, आ.नंददुलारे, हिंदी साहित्य : बीसवीं शताब्दी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद • शर्मा, डॉ.शिवकुमार, हिंदी साहित्य : युग और प्रवृत्तियां, अशोक, प्रकाशन, नई दिल्ली, सं.1994 • मिश्र, डॉ.भगीरथ-भारतीय काव्यशास्त्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली • बोहरा- आधुनिक हिंदी काव्य की प्रवृत्तियां, जयभारती प्रकाशन, जयपुर • नगेंद्र-मिथक और साहित्य, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली • वर्मा, डॉ.सूर्यनारायण- नई कविता पुराख्यान और समकालीन, जय भारती प्रकाशन, इलाहाबाद • शर्मा, डॉ.प्रभाकर-नरेश मेहता का काव्य विमर्श और मूल्यांकन, भ्रमशिल प्रकाशन, जयपुर • गोयल, डॉ. शिव प्रसाद-हिंदी के खंडकाव्य , चिंता प्रकाशन, कानपुर • शर्मा, डॉ.कविता- नरेश मेहता के खंडकाव्य, पार्श्व प्रकाशन, अहमदाबाद

द्वितीय वर्ष कला (S.Y.B.A.HINDI)

तृतीय सत्र (Semester III)

HIN MIN-232: उपन्यास

श्रेयांक (Credits) : 02 **अंतर्गत परीक्षा :** 20

कुल अंक : 50 **सत्रांत परीक्षा:** 30

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective)	1.छात्रों को आधुनिक हिंदी कथा साहित्य एवं उसकी प्रवृत्तियों से परिचित कराना 2.उपन्यास के तात्विक स्वरूप का ज्ञान कराना 3. छात्रों में सामाजिक मूल्यों का बीजवपन करना 4. उपन्यास के अध्ययन से चिंतन, मनन की क्षमता विकसित करना	
पाठ्यक्रम का प्रतिफल (Course Outcomes)	1.छात्र आधुनिक हिंदी कथा साहित्य और उसकी प्रवृत्तियों से परिचित होंगे 2. छात्र उपन्यास के तात्विक स्वरूप का ज्ञान प्राप्त करेंगे 3. छात्रों में सामाजिक मूल्यों का बीजवपन होगा 4. छात्रों में उपन्यास के अध्ययन से चिंतन, मनन की क्षमता का विकसित होगा	
इकाई Unit	**पाठ Content**	**तसिकाएं Hours**
Unit I	**1.उपन्यास विधा का सैद्धांतिक विवेचन** 1.1 हिंदी उपन्यास का स्वरूप परिभाषा 1.2 उपन्यास के तत्व 1.3 उपन्यास की विकास यात्रा	07
Unit II	**2.निर्धारित पुस्तक :** पुस्तक: **छप्पर (उपन्यास)** लेखक: जयप्रकाश कर्दम, प्रकाशन: राहुल प्रकाशन, विश्वास नगर, दिल्ली 2.1 जयप्रकाश कर्दम का व्यक्तित्व और कृतित्व	08
Unit III	**3.अध्ययनार्थ विषय** 3.1 छप्पर उपन्यास की कथावस्तु 3.2 छप्पर उपन्यास की भाषा 3.3 छप्पर में शोषण का चित्रण 3.4 छप्पर उपन्यास के पात्रों का चरित्र – चित्रण	07
Unit IV	**4.अध्ययनार्थ विषय** 4.1 छप्पर उपन्यास में चित्रित दलित चेतना 4.2 छप्पर उपन्यास में चित्रित नारी वेदना 4.3 छप्पर उपन्यास का उद्देश्य 4.4 छप्पर उपन्यास के शीर्षक की सार्थकता	08
संदर्भ/सहायक ग्रंथ सूची	• सहगल शशि, साहित्य विधाएं, किताबघर, नई दिल्ली,प्र.सं.1992 • राय, गुलाब, काव्य के रूप. आत्माराम एण्ड संस, दिल्ली,सं.1969 • बाजपेयी, आ.नंददुलारे, हिंदी साहित्य : बीसवीं शताब्दी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद	

	• शर्मा, डॉ.शिवकुमार, हिंदी साहित्य : युग और प्रवृत्तियां, अशोक, प्रकाशन, नई दिल्ली, सं.1994 • तिवारी, डॉ.रामचंद्र, हिंदी गद्य का विकास, लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद, सं. 1998 • सिंह, बच्चन, हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, प्र.सं. 2008 • द्विवेदी रामअवध, साहित्य रूप, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना,सं.1963, • कर्दम, डॉ.जयप्रकाश (संपा)- दलित साहित्य, आतिश प्रकाशन, दिल्ली • त्रिपाठी, डॉ.सत्यदेव- उपन्यास समकालीन विमर्श, अमन प्रकाशन, कानपुर • शर्मा, डॉ.केशव देव-आधुनिक हिंदी उपन्यास और वर्ग संघर्ष, राधा पब्लिकेशन, दिल्ली • डॉ.आनंद-हिंदी साहित्य में दलित चेतना, विद्या प्रिंटर्स, कानपुर • राम, जगजीवन- भारत में जातिवाद और हरिजन समस्या, राजपाल प्रकाशन, दिल्ली • कर्दम, डॉ.जयप्रकाश (संपा)- दलित साहित्य, आतिश प्रकाशन, दिल्ली • त्रिपाठी, डॉ.सत्यदेव- उपन्यास समकालीन विमर्श, अमन प्रकाशन, कानपुर

द्वितीय वर्ष कला (S.Y.B.A.HINDI)

तृतीय सत्र (Semester III)

HIN SEC-231: विज्ञापन लेखन

श्रेयांक (Credits) : 02 **अंतर्गत परीक्षा :** 20

कुल अंक : 50 **सत्रांत परीक्षा:** 30

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective)	1. विज्ञापन के महत्व को समझना 2. विज्ञापन के प्रकारों का परिचय देना 3. विज्ञापन की उपादेयता पर प्रकाश डालना 4. विज्ञापन लेखन की क्षमता को विकसित कराना	
पाठ्यक्रम का प्रतिफल (Course Outcomes)	1.छात्र आधुनिक हिंदी कथा साहित्य और उसकी प्रवृत्तियों से परिचित होंगे 2. छात्र उपन्यास के तात्विक स्वरूप का ज्ञान प्राप्त करेंगे 3. छात्रों में सामाजिक मूल्यों का बीजवपन होगा 4. छात्रों में उपन्यास के अध्ययन से चिंतन, मनन की क्षमता का विकसित होगा	
इकाई Unit	**पाठ Content**	**तसिकाएं Hours**
Unit I	1.1 विज्ञापन का अर्थ और स्वरूप 1.2 विज्ञापन की परिभाषाएं 1.3 विज्ञापन के प्रकार 1.4 विज्ञापन का महत्त्व	07
Unit II	2.1 विज्ञापन का इतिहास 2.2 विज्ञापन की भूमिका 2.3 विज्ञापन का सामाजिक पक्ष 2.4 विज्ञापन का आर्थिक पक्ष 2.5 विज्ञापन और नारी	08
Unit III	3.1 विज्ञापन की निर्मिति प्रकिया 3.3 हिंदी विज्ञापनों में प्रयुक्त भाषा 3.4 विज्ञापनों का मनोवैज्ञानिक पक्ष	07
Unit IV	4.विज्ञापन के नमूने 4.1 विभिन्न माध्यमों में विज्ञापन 4.1.1 टिव्ही 4.1.2 रेडिओ 4.1.3 समाचार पत्र 4.1.4 फ्लैक्स 4.1.5 अन्य माध्यम	08

संदर्भ/सहायक ग्रंथ सूची	• पतंजलि, डॉ. प्रेमचंद- आधुनिक विज्ञापन, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली • भाटिया, डॉ. तारेश-आधुनिक विज्ञापन और जनसंपर्क, वाणी प्रकाशन, दिल्ली • मिश्र, डॉ. चंद्रप्रकाश-मीडिया लेखन : सिद्धांत और व्यवहार, संजय प्रकाशन, दिल्ली • मिश्र, डॉ. स्मिता -भारतीय मीडिया: अंतरंग पहचान, भारत पुस्तक भंडार, दिल्ली • देसाई, डॉ.रघुनाथ (संपा.)-विज्ञापनों का मसौदा लेखन, सारंग प्रकाशन, वाराणसी • शिंदे, डॉ.विद्या- आधुनिक विज्ञापन और नारी, ए. बी. एस पब्लिकेशन, वाराणसी

S.Y.B. Com, B.sc HINDI

तृतीय सत्र (Semester III)

HIN OE / GE-231: एकांकी

श्रेयांक (Credits) : 02 **अंतर्गत परीक्षा :** 20

कुल अंक : 50 **सत्रांत परीक्षा:** 30

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective)	1. हिंदी एकांकी विधा के उद्‌भव और विकास की जानकारी देना 2. एकांकी विधा की प्रकृति और संरचना की समझ विकसित करना 3. एकांकियों के माध्यम से छात्रों को जीवन और समाज के विभिन्न उद्देश्यों की समझ देना 4. एकांकी के अध्ययन से चिंतन, मनन की क्षमता विकसित करना	
पाठ्यक्रम का प्रतिफल (Course Outcomes)	1. हिंदी एकांकी विधा के उद्‌भव और विकास की जानकारी मिलेगी 2. एकांकी विधा की प्रकृति और संरचना की समझ विकसित होगी 3. एकांकियों के माध्यम से छात्रों को जीवन और समाज के विभिन्न उद्देश्यों की समझ विकसित होगी 4. एकांकी के अध्ययन से चिंतन, मनन की क्षमता विकसित होगी	
इकाई Unit	**पाठ Content**	**तसिकाएं Hours**
Unit I	**1.एकांकी का स्वरूप एवं विकास** 1.1 एकांकी का स्वरूप एवं परिभाषा 1.2 एकांकी के तत्व 1.3 एकांकी का विकासक्रम 1.4 नाटक एवं एकांकी में अंतर	07
Unit II	**2.निर्धारित एकांकी संग्रह- एकांक-रश्मि** **संपा. प्रा.अरुण पाटील,** **प्रकाशन- विद्या प्रकाशन, कानपुर** **अध्ययनार्थ एकांकियाँ -** 2.1 अंधेर नगरी - भारतेंदु हरिश्चंद्र 2.2 औरंगजेब की आखिरी रात -डॉ.रामकुमार वर्मा 2.3 सूखी डाली- उपेंद्रनाथ अश्क	08
Unit III	3.1 मकड़ी का जाला - जगदीश चंद्र माथुर 3.2 संस्कार और भावना - विष्णु प्रभाकर 3.3 यहाँ रोना मना है- ममता कालिया	07
Unit IV	**4.अध्ययनार्थ विषय** 4.1 कानून व्यवस्था पर व्यंग्य 4.2 मानसिक संघर्ष एवं अंतर्द्वंद का चित्रण 4.3 पीढ़ी संघर्ष की समस्या 4.4 संयुक्त परिवार का महत्व 4.5 बेरोजगारी की समस्या	08

	4.6 आंतरजातीय विवाह का चित्रण 4.7 नारी जीवन की पीड़ा, घुटन एवं संघर्ष का चित्रण	
संदर्भ/सहायक ग्रंथ सूची	• सहगल शशि, साहित्य विधाएं, किताबघर, नई दिल्ली,प्र.सं.1992 • राय, गुलाब, काव्य के रूप. आत्माराम एण्ड संस, दिल्ली,सं.1969 • बाजपेयी, आ.नंददुलारे, हिंदी साहित्य : बीसवीं शताब्दी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद • शर्मा, डॉ.शिवकुमार, हिंदी साहित्य : युग और प्रवृत्तियां, अशोक, प्रकाशन, नई दिल्ली, सं.1994 • तिवारी, डॉ.रामचंद्र, हिंदी गद्य का विकास, लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद, सं. 1998 • महेंद्र, रामचरण- - हिंदी एकांकी और एकांकीकार, सरस्वती पुस्तक सदन, आगरा • महेंद्र, रामचरण-हिंदी एकांकी : उद्भव और विकास , साहित्य प्रकाशन, दिल्ली • सिंह, राम रतन-एकांकी कला, किताब महल प्रकाशन, इलाहाबाद • सत्येंद्र, हिंदी एकांकी, साहित्य, रत्न भंडार, आगरा • कुमार, सिद्धनाथ - हिंदी एकांकी की शिल्प विधि का विकास, रामबाग, कानपुर • ओझा, दशरथ- हिंदी एकांकी नाटक उद्भव और विकास, राजपाल एंड संस, नई दिल्ली	

S.Y. B.A., B.Com, B.Sc HINDI

तृतीय सत्र (Semester III)

HIN MIL-231: हिंदी साहित्य और भाषा दक्षता

श्रेयांक (Credits) : 02 **अंतर्गत परीक्षा :** 20

कुल अंक : 50 **सत्रांत परीक्षा:** 30

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective)	1.छात्रों की हिंदी साहित्य के प्रति रूचि बढ़ाना तथा छात्रों को साहित्य की विविध विधाओं एवं इतिहास से परिचित कराना 2.छात्रों को हिंदी के प्रतिनिधि गद्यकारों एवं कवियों से परिचित कराना 3.छात्रों में हिंदी भाषा के श्रवण, पठन एवं लेखन की क्षमताओं को विकसित कराना 4.छात्रों में विद्यार्थियों में सामाजिक समरसता का भाव निर्माण करना 5.छात्रों की विचार क्षमता तथा कल्पनाशीलता को बढ़ावा देना
पाठ्यक्रम का प्रतिफल (Course Outcomes)	1.छात्र हिंदी साहित्य के प्रति रूचि बढ़ाना तथा छात्रों को साहित्य की विविध विधाओं एवं इतिहास से परिचित हो सकेंगे 2. छात्र हिंदी के प्रतिनिधि गद्यकारों एवं कवियों से परिचित होंगे 3. छात्रों का हिंदी भाषा के श्रवण, पठन एवं लेखन की क्षमताओं का विकास होगा 4. छात्रों में सामाजिक समरसता का भाव निर्माण होगा 5. छात्रों की विचार क्षमता तथा कल्पनाशीलता को बढ़ावा मिलेगा

इकाई Unit	**पाठ Content**	**तसिकाएं Hours**
Unit I	**1.हिंदी की चयनित गद्य रचनाएँ** 1.1 कफ़न — प्रेमचंद 1.2 आचरण की सभ्यता — सरदार पूर्ण सिंह 1.3 भोलाराम का जीव — हरिशंकर परसाई 1.4 मेरी तिब्बत यात्रा (ल्हासा की ओर) — राहुल सांकृत्यायन	07
Unit II	**2.मध्ययुगीन काव्य** **1. संत कबीर** दोहा : निंदक नेडा राखिये,ऑगणि कुटि बँधाए। बिन साबन पाणी बिना,निरमल करै सुभाइ ॥ दोहा : सतगुरु की महिमा अनँत, अनँत किया उपगार। लोचन अनँत उघाडिया, अनँत दिखावणहार ॥ 2. **रहीम** दोहा : बिगरी बात बनै नहीं,लाख करौ किन कोय। रहिमन फाटे दूध को, मथे न माखन होय ॥ दोहा : बड़े बड़ाई ना करै,बड़ो न बोलै बोल। रहिमन हीरा कब कहैं,लाख टका मेरो मोल ॥	08

	3.बिहारी दोहा : चिरजीवौ जोरी जुरैं क्यौं न सनेह गंभीर। को घटि ये वृषभानुजा वे हलधर के बीर॥ दोहा : बतरस लालच लाल की मुरली धरी लुकाय। सौह करें भौहनी हँसै दैन कहें नटि जाय ॥	
Unit III	**3.आधुनिक काव्य** 1.कलगी बाजरे की — अज्ञेय 2.पुष्प की अभिलाषा — माखनलाल चतुर्वेदी 3.झाँसी की रानी — सुभद्रा कुमारी चौहान 4. कुकुरमुत्ता — निराला 5. लोग टूट जाते है एक घर बनाने में — बशीर बद्र	07
Unit IV	**4.1 पत्र लेखन** 1.औपचारिक पत्र 2. अनौपचारिक पत्र **4.2 अन्य** 1.**मुहावरे** - शरीर के अंगों से संबंधित ,फल और सब्जियों से संबंधित। 2.**कहावते**- नैतिक मूल्य से संबंधित, प्राणियों से संबंधित	08
संदर्भ/सहायक ग्रंथ सूची	• सहगल शशि, साहित्य विधाएं, किताबघर, नई दिल्ली,प्र.सं.1992 • राय, गुलाब, काव्य के रूप. आत्माराम एण्ड संस, दिल्ली,सं.1969 • बाजपेयी, आ.नंददुलारे, हिंदी साहित्य : बीसवीं शताब्दी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद • भ्रमर, डॉ.रवीन्द्र, समकालीन हिंदी कविता, राजेश प्रकाशन, नई दिल्ली,सं.1972 • शर्मा, डॉ.शिवकुमार, हिंदी साहित्य : युग और प्रवृत्तियां, अशोक, प्रकाशन, नई दिल्ली, सं.1994 • तिवारी, डॉ.रामचंद्र, हिंदी गद्य का विकास, लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद, सं. 1998 • सिंह, बच्चन, हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, प्र.सं. 2008 • स्वरूप पुष्पा, हिंदी काव्य धारा, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा,सं.1965 • राय, डॉ.बरमेश्वर नाथ (संपा.), आधुनिक हिंदी काव्य प्रवाह, शैलजा, प्रकाशन, कानपुर, सं.2014 • मुरुमकर,डॉ.दत्तात्रय, आधुनिक हिंदी साहित्य वाद, प्रवुत्तियां एवं विमर्श, साहित्य संस्थान, गाझियाबाद, नई दिल्ली, प्र.सं.2012 • द्विवेदी रामअवध, साहित्य रूप, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना,सं.1963, • वार्ष्णेय , लक्ष्मी नारायण, आधुनिक कहानी का परिपार्श्व, साहित्य भवन, इलाहाबाद सं.1976 • पुष्पसिंह, समकालीन कहानी का संदर्भ,नेशनल पब्लिकेशन हाऊस, दिल्ली, सं.2006	

द्वितीय वर्ष कला (S.Y.B.A.HINDI)

तृतीय सत्र (Semester III)

HIN CEP-231 Community Engagement Programme

श्रेयांक (Credits) : 02 **कुल अंक :** 50

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective)	1. सामाजिक संबद्धता हेतु छात्रों को तैयार करना 2. छात्रों की सोच और प्रतिबद्धता को प्रेरणा प्रदान करना 3. सामाजिक समस्याओं के प्रति जाग्रत करना 4. समाज में प्रत्यक्ष जाकर कृतिशील गतिविधियों का संचालन करना
पाठ्यक्रम का प्रतिफल (Course Outcomes)	1. सामाजिक संबद्धता हेतु छात्रों को तैयार हो पाएंगे 2. छात्रों की सोच और प्रतिबद्धता को प्रेरणा प्राप्त होगी 3. छात्र सामाजिक समस्याओं के प्रति जाग्रत होंगे 4. छात्र समाज में प्रत्यक्ष जाकर कृतिशील गतिविधियों का संचालन कर सकेंगे

प्रत्यक्ष गांवों या अंचलों में जाकर विविध गतिविधियां अध्यापन / पोस्टर प्रदर्शनी / नुक्कड़ नाटक प्रस्तुति / वीडियो प्रसारण कार्यक्रम / चित्रकला प्रतियोगिता / व्याख्यान / निबंध लेखन	60

Guidelines for CEP & FP

In alignment with the National Education Policy (NEP) 2020, Moolji Jaitha College (Autonomous), Jalgaon is introducing the Community Engagement Program and Field Project at the undergraduate level. The NEP 2020 emphasizes holistic development, inclusivity, and integrating vocational education with academic learning, aiming to nurture socially responsible individuals. This course fosters a strong connection between education and real-world applications. We believe that experiential learning, community involvement, and fieldwork are essential components of a well-rounded education. These initiatives aim to bridge the gap between theoretical knowledge and practical experience, helping students develop critical thinking, problem-solving skills, and a sense of civic responsibility. Additionally, students will learn about the challenges faced by vulnerable households and appreciate local wisdom and lifestyles.

Inspired by NEP 2020, the Community Engagement Program and Field Project aim to produce knowledgeable, compassionate, and proactive graduates, contributing to a more just, equitable, and sustainable society.

Objectives

- Engage students in activities that foster emotional, social, and intellectual growth, encouraging a well-rounded approach to personal and academic development.

- Provide hands-on experiences that complement classroom learning, enabling students to apply their knowledge in real-world settings and improve the quality of their education through practical applications.
- Develop a sense of responsibility towards the community by encouraging students to actively participate in social and environmental initiatives, and appreciate rural culture, lifestyle, and wisdom.
- Promote teamwork and collaboration among students, educators, and community members to address local issues and challenges, enhancing collaborative problem-solving skills.
- Ensure the program is accessible to all students, regardless of their socio-economic background, while educating them about the status of various agricultural and development programs and the challenges faced by vulnerable households.

Learning Outcomes

After completing this course, students will be able to

- Gain an understanding of rural life, Indian culture and ethos and social realities
- Develop a sense of empathy and bonds of mutuality with the local community
- Appreciate significant contributions of local communities to Indian society and economy
- Learn to value the local knowledge and wisdom of the community
- Identify opportunities for contributing to community's socio-economic improvements

Course Structure: 2 Credits Course (60 hours)

S. No.	Module Title	Module Content	Assignment	Teaching/ Learning Methodology
1	**Appreciation of Rural Society**	Rural lifestyle, rural society, caste and gender relations, rural values with respect to community, nature and resources, elaboration of "soul of India lies in villages', rural infrastructure.	Prepare a map (physical, visual or digital) of the village you visited and write an essay about inter-family relations in that village.	– Classroom discussions – Field visit – Assignment Map
2	**Understanding rural and local economy and livelihood**	Agriculture, farming, land ownership, water management, animal husbandry, non-farm livelihoods and artisans, rural entrepreneurs, rural markets, migrant labour.	Describe your analysis of the rural house hold economy, its challenges and possible pathways to address. Circular economy and migration patterns.	– Field visit – Group discussions in class – Assignment

3	**Rural and local Institutions**	Traditional rural and community organisations, Self-help Groups, Panchayati raj institutions (Gram Sabha, Gram Panchayat, Standing Committees), Nagarpalikas and municipalities, local civil society, local administration.	How effectively are Panchayati Raj and Urban Local Bodies (ULBs) institutions functioning in the village? What would you suggest to improve their effectiveness? Present a case study (written or audio-visual).	– Classroom – Field visit – Group presentation of assignment
4	**Rural and National Development Programmes**	History of rural development and current national programmes in India: Sarva Shiksha Abhiyan, Beti Bachao, Beti Padhao, Ayushman Bharat, Swachh Bharat, PM Awaas Yojana, Skill India, Gram Panchayat Decentralised Planning, National Rural Livelihood Mission (NRLM), Mahatma Gandhi National Rural Employment Guarantee Act 2005 (MGNREGA), SHRAM, Jal Jeevan Mission, Scheme of Fund for Regeneration of Traditional Industries (SFURTI), Atma Nirbhar Bharat, etc.	Describe the benefits received and challenges faced in the delivery of one of these programmes in the local community; give suggestions about improving the implementation of the programme for the poor. Special focus on the urban informal sector and migrant households.	– Classroom – Each student selects one program for field visit – Written assignment

Note: The modules are suggestive in nature and students can opt any one activities for community engagement program and field project based on topic appropriate to their regional community context.
Suggestive Themes for field-based / community engagement activities are listed below:

- Interaction with Self Help Groups (SHGs) women members, and study their functions and challenges; planning for their skill-building and livelihood activities;
- Visit Mahatma Gandhi National. Rural Employment Guarantee Act 2005 (MGNREGS) project sites, interact with beneficiaries and interview functionaries at the work site;
- Field visit to Swachh Bharat project sites, conduct analysis and initiate problem solving measures;
- Conduct Mission Antyodaya surveys to support under Gram Panchayat Development Plan (GPDP);
- Interactive community exercise with local leaders, panchayat functionaries, grass-root officials and local institutions regarding village development plan preparation and resource mobilization;
- Visit Rural Schools/mid-day meal centres, study academic and infrastructural resources, digital divide and gaps;

- Participate in Gram Sabha meetings, and study community participation;
- Associate with Social audit exercises at the Gram Panchayat level, and interact with programme beneficiaries;
- Visit to local Nagarpalika office and review schemes for urban informal workers and migrants;
- Attend Parent Teacher Association meetings, and interview school drop outs;
- Visit local Anganwadi Centre and observe the services being provided;
- Visit local NGOs, civil society organisations and interact with their staff and beneficiaries;
- Organize awareness programmes, health camps, Disability camps and cleanliness camps;
- Conduct soil health test, drinking water analysis, energy use and fuel efficiency surveys and building solar powered village;
- Raise understanding of people's impacts of climate change, building up community's disaster preparedness;
- Organise orientation programmes for farmers regarding organic cultivation, rational use of irrigation and fertilizers, promotion of traditional species of crops and plants and awareness against stubble burning;
- Formation of committees for common property resource management, village pond maintenance and fishing;
- Identifying the small business ideas (handloom, handicaraft, khadi, food products, etc.) for rural areas to make the people self-reliant.
- Management curriculum may include aspects of micro-financing in a rural context;
- Chemistry syllabus can have a component of conducting water and soil analysis in surrounding field areas;
- Political science syllabus could include a mapping of local rural governance institutions and their functioning.
- Environment education will include areas such as climate change, pollution, waste management, sanitation, conservation of biological diversity, management of biological resources and biodiversity, forest and wildlife conservation, and sustainable development and living
- Understanding panchayats and constitutional mandate of local governance
- Panchayat administration, Gram Sabha, Mahila Sabha, Gram Panchayat Development Plan (GPDP), local planning of basic services.
- Micro-finance, SHGs, system of savings and credit for local business, linkages to banks, financial inclusion.
- Rural – entrepreneurship, opportunities for small business in local communities, access to financial and technical inputs to new entrepreneurs.
- Renewable energy, access to household and community level solar and bio-mass systems for sustainable energy use.
- Participatory Monitoring and evaluation of socio-economic development programmes, and cost-benefit analysis of project proposals.
- Participatory decentralised planning, Gram Panchayat Development Plan (GPDP), and micro-level data analysis for new investments.
- Urban informal settlements and basic services.
- Migrant workers' livelihood security and social services.
- Hygiene and sanitation, improving health and personal behaviours, locally manageable decentralised systems and awareness against stubble burning.
- Water conservation, traditional practices of storage and harvesting, new systems of distribution and maintenance.

- Women's empowerment, gender inequality at home, community and public spaces, safety of girls and women, access to skills, credit and work opportunities.
- Child security, safety and good parenting, nutrition and health, learning and training for child care.
- Rural Marketing, market research, designing opportunities for rural artisans and crafts, and new products based on demand assessment.
- Community Based Research in Rural Settings, undertaking research that values local knowledge, systematises local practices and tools for replication and scale-up.
- Peri-urban development of informal settlements, mapping and enumeration, design of local solutions.

The field based activities should be conducted using community-based participatory research methodology in partnership with local community institutions and relevant public agencies so that the findings of research are shared with them and they develop ownership of the same.

Teaching and Learning Methods

- An ICT based online/offline module needs to be prepared for self-paced learning by students for one credit which can be supplemented through discussions in the classroom.
- Reading and classroom discussions, Participatory Research Methods and Tools, Community dialogues, Oral history, social and institutional mapping, interactions with elected panchayat leaders and government functionaries, Observation of Gram Sabha, Field visits to various village institutions
- Classroom theory must be linked to the realities of the local field areas.

Implementation Strategy

- **Field Projects**: Students will undertake field projects that address local community needs, such as environmental conservation, public health initiatives, or educational outreach programs. These projects will be guided by faculty and community mentors, ensuring that students receive support and feedback throughout the process.
- **Community Partnerships**: Collaborations with local organizations, NGOs, and government bodies will be established to provide students with diverse opportunities for engagement and learning. These partnerships will also help in identifying areas where students can make a significant impact.
- **Workshops and Training**: Regular workshops and training sessions will be conducted to equip students with the necessary skills and knowledge for effective community engagement. Topics will include project management, communication skills, and leadership development.
- **Assessment and Reflection**: Students will be encouraged to reflect on their experiences through presentations, reports, and discussions. This reflective practice will help them to critically analyze their work and its impact on the community.

Assessment:

- Readings from related literature including e-content and reflections from field visits should be maintained by each student in a Field Diary.
- Participation in Field Visits should be allocated 30% marks; group field project should have 40% of total marks; presentation of field project findings to the community institution should have 30% of total marks.

चतुर्थ सत्र (Semester - IV)

द्वितीय वर्ष कला (S.Y.B.A.HINDI)

चतुर्थ सत्र (Semester IV)

HIN DSC-241: नाटक

श्रेयांक (Credits) : 04 **अंतर्गत परीक्षा :** 40

कुल अंक : 100 **सत्रांत परीक्षा:** 60

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective)	1. छात्रों को आधुनिक हिंदी नाटक साहित्य एवं उसकी प्रवृत्तियों से परिचित कराना 2. नाटक के तात्विक स्वरूप का ज्ञान कराना 3. छात्रों में सामाजिक मूल्यों का बीजवपन करना 4. नाटक के अध्ययन से साहित्यिक चिंतन, मनन की क्षमता विकसित करना	
पाठ्यक्रम का प्रतिफल (Course Outcomes)	1. छात्रों को आधुनिक हिंदी नाटक साहित्य एवं उसकी प्रवृत्तियों से परिचित हो पाएंगे 2. छात्रों को नाटक के तात्विक स्वरूप का ज्ञान होगा 3. छात्रों में सामाजिक मूल्यों का बीजवपन होगा 4. छात्रों में नाटक के अध्ययन से साहित्यिक चिंतन, मनन की क्षमता का विकसित होगा	
इकाई Unit	**पाठ Content**	**तसिकाएं Hours**
Unit I	1.**नाटक विधा का सैद्धांतिक विवेचन** 1.1 नाटक का स्वरूप एवं परिभाषाएं 1.2 नाटक के तत्व 1.3 नाटक एवं एकांकी की तुलना 1.4 हिंदी नाटक की विकास यात्रा	15
Unit II	नाटक : **एक और द्रोणाचार्य (नाटक)** लेखक: शंकर शेष प्रकाशन: रामेश्वरी प्रकाशन, नई दिल्ली 2.1 डॉ शंकर शेष का व्यक्तित्व और कृतित्व	15
Unit III	**3.अध्ययनार्थ विषय** 3.1 कथावस्तु 3.2 चरित्र चित्रण 3.3 संवाद 3.4 भाषा शैली 3.5 विचार दर्शन 3.6 अभिनेयता और रंगमंच	15
Unit IV	**4.अध्ययनार्थ विषय** 4.1 पौराणिक कथावस्तु से आधुनिक बोध 4.2 मिथकीय पात्र और समकालीन पात्रों में समानता 4.3 समकालीन शिक्षा व्यवस्था पर व्यंग्य 4.4 प्रस्तुत नाटक का उद्देश्य	15

संदर्भ/सहायक ग्रंथ सूची	• सहगल शशि, साहित्य विधाएं, किताबघर, नई दिल्ली,प्र.सं.1992 • राय, गुलाब, काव्य के रूप. आत्माराम एण्ड संस, दिल्ली,सं.1969 • बाजपेयी, आ.नंददुलारे, हिंदी साहित्य : बीसवीं शताब्दी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद • शर्मा, डॉ.शिवकुमार, हिंदी साहित्य : युग और प्रवृत्तियां, अशोक, प्रकाशन, नई दिल्ली, सं.1994 • तिवारी, डॉ.रामचंद्र, हिंदी गद्य का विकास, लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद, सं. 1998 • सिंह, बच्चन, हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, प्र.सं. 2008 • द्विवेदी रामअवध, साहित्य रूप, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना,सं.1963, • गौतम, डॉ.सुरेश,गौतम.डॉ. वीणा-राजपथ से जनपद नट शिल्पी शंकर शेष,नालंदा प्रकाशन, दिल्ली • भारती, विनय (संपा.) - समकालीन हिंदी नाटक और रंगमंच, भाषा प्रकाशन , दिल्ली • जैन, नेमीचंद्र- आधुनिक हिंदी नाटक और रंगमंच, दी मैकेनिकल कंपनी ऑफ इंडिया लि. दिल्ली • गौतम.डॉ. वीणा- आधुनिक हिंदी नाटकों में मध्यम वर्गीय चेतना, संजय प्रकाशन, दिल्ली • पंड्या, डॉ. जसवंत भाई -शंकर शेष के नाटकों का रंग शिल्प, ज्ञान प्रकाशन, कानपुर • कटारा, डॉ,उषा- शंकर शेष का नाटक साहित्य, शिवा पब्लिशर्स डिस्ट्रीब्यूटर, उदयपुर • डॉ. नगेंद्र-आधुनिक हिंदी नाटक, साहित्य रत्न भंडार, आगरा

द्वितीय वर्ष कला (S.Y.B.A.HINDI)

चतुर्थ सत्र (Semester IV)

HIN DSC-242: लघुकथा

श्रेयांक (Credits) : 02 **अंतर्गत परीक्षा :** 20

कुल अंक : 50 **सत्रांत परीक्षा:** 30

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective)	1. छात्रों को लघुकथा साहित्य एवं उसकी प्रवृत्तियों से परिचित कराना 2. लघुकथा के तात्विक स्वरूप का ज्ञान कराना 3. लघुकथा के अध्ययन द्वारा छात्रों में सामाजिक मूल्यों का बीजवपन करना 4. लघुकथा के अध्ययन से साहित्यिक चिंतन, मनन की क्षमता विकसित करना	
पाठ्यक्रम का प्रतिफल (Course Outcomes)	1. छात्र लघुकथा साहित्य एवं उसकी प्रवृत्तियों से परिचित होंगे 2. छात्रों को लघुकथा के तात्विक स्वरूप का ज्ञान मिलेगा 3. छात्रों में सामाजिक मूल्यों का बीजवपन होगा 4. छात्रों में लघुकथा के अध्ययन से साहित्यिक चिंतन, मनन की क्षमता का विकसित होगा	
इकाई Unit	**पाठ Content**	**तसिकाएं Hours**
Unit I	1. **लघुकथा : सैद्धांतिकी** 1.1 लघुकथा का स्वरूप 1.2 लघुकथा की परिभाषा 1.3 लघुकथा की विशेषताएँ 1.4 लघुकथा और कहानी	07
Unit II	2. पुस्तक: **हिंदी की प्रतिनिधि लघुकथाएँ** संपादक : **डॉ.रामकुमार घोटड़** प्रकाशन: **नमन प्रकाशन, नई दिल्ली** **निर्धारित कहानियां : भाग** 1 1. कलावती की शिक्षा - जयशंकर प्रसाद 2. बड़ा क्या है ? - पं.हजारीप्रसाद द्विवेदी 3. राष्ट्र का सेवक - मुंशी प्रेमचंद 4. गिलट - उपेन्द्रनाथ अश्क 5.शौचालय - विनोबा भावे 6. बीज बनने की राह - रामधारीसिंह दिनकर 7. अपना- पराया - हरिशंकर परसाई	08
Unit III	3. **निर्धारित कहानियां : भाग** 2 1.कुल्हाड़ा और कलर्क - पूरन मुदगल 2.आग्रह - सतीश राठी 3. आम आदमी - शंकर पुणतांबेकर 4. इंसानियत - चित्तरंजन भारती 5. ईद मुबारक - डॉ.किशोर काबरा	07

	6. किसान - कमलेश भारती 7. मंहगाई भत्ता - उषा महेश्वरी 8. रिश्ता - चित्रा मुदगल	
Unit IV	4. **अध्ययनार्थ विषय** 4.1 तत्त्वों के आधार पर समीक्षा 4.2 चरित्र -चित्रण की दृष्टि 4.3 सामाजिकता 4 4..वर्गगत चेतना 4.5 आधुनिक बोध 4.6 पारिवारिक मूल्य 4.7 व्यंग्यात्मकता 4.8 मूल्य संवर्धन और मूल्य विघटन की दशा 4.9 राजनीतिक बोध 4.10 भाषा-शैली	08
संदर्भ/सहायक ग्रंथ सूची	• सहगल शशि, साहित्य विधाएं, किताबघर, नई दिल्ली,प्र.सं.1992 • राय, गुलाब, काव्य के रूप. आत्माराम एण्ड संस, दिल्ली,सं.1969 • बाजपेयी, आ.नंददुलारे, हिंदी साहित्य : बीसवीं शताब्दी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद • शर्मा, डॉ.शिवकुमार, हिंदी साहित्य : युग और प्रवृत्तियां, अशोक, प्रकाशन, नई दिल्ली, सं.1994 • तिवारी, डॉ.रामचंद्र, हिंदी गद्य का विकास, लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद, सं. 1998 • सिंह, बच्चन, हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, प्र.सं. 2008 • द्विवेदी रामअवध, साहित्य रूप, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना,सं.1963, • कलशेट्टी, डॉ. महादेव काशीनाथ -हिंदी लघुकथाओं में व्यंग्य, शुभम पब्लिकेशन, कानपूर • दुबे, डॉ.सतीश-आठवें दशक की लघुकथाएँ, समता प्रकाशन, इंदौर • शर्मा, रमेशकुमार- हिंदी लघुकथा : स्वरूप एवं इतिहास, दीनमान प्रकाशन, दिल्ली • पुणतांबेकर, डॉ.शंकर- श्रेष्ठ लघुकथाएँ, पुस्तक संस्थान, कानपूर • श्रीवास्तव, डॉ.परमानंद-हिंदी कहानी की रचना प्रक्रिया, ग्रंथम प्रकाशन, कानपुर • मधुरेश-हिंदी कहानी का विकास, नई कहानी प्रकाशन, इलाहाबाद • शर्मा, डॉ.ब्रह्मस्वरूप-हिंदी कहानी की विकास यात्रा, मनु प्रकाशन, नई दिल्ली	

द्वितीय वर्ष कला (S.Y.B.A. HINDI)

चतुर्थ सत्र (Semester IV)

HIN MIN-241: नाटक

श्रेयांक (Credits) : 04 **अंतर्गत परीक्षा :** 40

कुल अंक : 100 **सत्रांत परीक्षा:** 60

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective)	1. छात्रों को आधुनिक हिंदी नाटक साहित्य एवं उसकी प्रवृत्तियों से परिचित कराना 2. नाटक के तात्विक स्वरूप का ज्ञान कराना 3. छात्रों में सामाजिक मूल्यों का बीजवपन करना 4. नाटक के अध्ययन से साहित्यिक चिंतन, मनन की क्षमता विकसित करना	
पाठ्यक्रम का प्रतिफल (Course Outcomes)	1. छात्रों को आधुनिक हिंदी नाटक साहित्य एवं उसकी प्रवृत्तियों से परिचित हो पाएंगे 2. छात्रों को नाटक के तात्विक स्वरूप का ज्ञान होगा 3. छात्रों में सामाजिक मूल्यों का बीजवपन होगा 4. छात्रों में नाटक के अध्ययन से साहित्यिक चिंतन, मनन की क्षमता का विकसित होगा	
इकाई Unit	**पाठ Content**	**तसिकाएं Hours**
Unit I	1.**नाटक विधा का सैद्धांतिक विवेचन** 1.1 नाटक का स्वरूप एवं परिभाषाएं 1.2 नाटक के तत्व 1.3 नाटक एवं एकांकी की तुलना 1.4 हिंदी नाटक की विकास यात्रा	15
Unit II	**नाटक : एक और द्रोणाचार्य (नाटक)** **लेखक :** शंकर शेष प्रकाशन : रामेश्वरी प्रकाशन, नई दिल्ली 2.1 डॉ शंकर शेष का व्यक्तित्व और कृतित्व	15
Unit III	**3.अध्ययनार्थ विषय** 3.1 कथावस्तु 3.2 चरित्र चित्रण 3.3 संवाद 3.4 भाषा शैली 3.5 विचार दर्शन 3.6 अभिनेयता और रंगमंच	15
Unit IV	**4.अध्ययनार्थ विषय** 4.1 पौराणिक कथावस्तु से आधुनिक बोध 4.2 मिथकीय पात्र और समकालीन पात्रों में समानता 4.3 समकालीन शिक्षा व्यवस्था पर व्यंग्य 4.4 प्रस्तुत नाटक का उद्देश्य	15

संदर्भ/सहायक ग्रंथ सूची	• सहगल शशि, साहित्य विधाएं, किताबघर, नई दिल्ली,प्र.सं.1992 • राय, गुलाब, काव्य के रूप. आत्माराम एण्ड संस, दिल्ली,सं.1969 • बाजपेयी, आ.नंददुलारे, हिंदी साहित्य : बीसवीं शताब्दी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद • शर्मा, डॉ.शिवकुमार, हिंदी साहित्य : युग और प्रवृत्तियां, अशोक, प्रकाशन, नई दिल्ली, सं.1994 • तिवारी, डॉ.रामचंद्र, हिंदी गद्य का विकास, लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद, सं. 1998 • सिंह, बच्चन, हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, प्र.सं. 2008 • द्विवेदी रामअवध, साहित्य रूप, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना,सं.1963, • गौतम, डॉ.सुरेश,गौतम.डॉ. वीणा-राजपथ से जनपद नट शिल्पी शंकर शेष,नालंदा प्रकाशन, दिल्ली • भारती, विनय (संपा.) - समकालीन हिंदी नाटक और रंगमंच, भाषा प्रकाशन , दिल्ली • जैन, नेमीचंद्र- आधुनिक हिंदी नाटक और रंगमंच, दी मैकेनिकल कंपनी ऑफ इंडिया लि. दिल्ली • गौतम.डॉ. वीणा- आधुनिक हिंदी नाटकों में मध्यम वर्गीय चेतना, संजय प्रकाशन, दिल्ली • पंड्या, डॉ. जसवंत भाई -शंकर शेष के नाटकों का रंग शिल्प, ज्ञान प्रकाशन, कानपुर • कटारा, डॉ,उषा- शंकर शेष का नाटक साहित्य, शिवा पब्लिशर्स डिस्ट्रीब्यूटर, उदयपुर • डॉ. नगेंद्र-आधुनिक हिंदी नाटक, साहित्य रत्न भंडार, आगरा

द्वितीय वर्ष कला (S.Y.B.A.HINDI)

चतुर्थ सत्र (Semester IV)

HIN SEC-241: प्रयोजनमूलक हिंदी

श्रेयांक (Credits) : 02 **अंतर्गत परीक्षा :** 20

कुल अंक : 50 **सत्रांत परीक्षा:** 30

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective)	1. छात्रों में हिंदी लेखन के प्रति रूचि निर्माण कराना 2. हिंदी के व्यावहारिक उपयोगिता का ज्ञान देना 3. प्रस्तुत अध्यापन के द्वारा रोजगार की संभावनाओ से अवगत कराना 4. छात्रों की विचार क्षमता तथा कल्पनाशीलता को बढ़ावा देना	
पाठ्यक्रम का प्रतिफल (Course Outcomes)	1. छात्रों में हिंदी लेखन के प्रति रूचि निर्माण होगी 2. हिंदी के व्यवहारिक उपयोगिता का ज्ञान मिलेगा 3. छात्र प्रस्तुत पाठ्यक्रम के द्वारा रोजगार की संभावनाओ से अवगत हो पाएंगे 4. छात्रों की विचार क्षमता तथा कल्पनाशीलता को बढ़ावा मिलेगा	
इकाई Unit	**पाठ Content**	**तसिकाएं Hours**
Unit I	1. प्रयोजनमूलक हिंदी स्वरूप और परिभाषा 2. प्रयोजनमूलक हिंदी के क्षेत्र 3. प्रयोजनमूलक हिंदी की उपयोगिता 4. प्रयोजनमूलक हिंदी की विशेषताएं	07
Unit II	1. सामान्य, आवेदन तथा सरकारी पत्र लेखन 2. सामाजिक, शैक्षिक तथा सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए रिपोर्ताज लेखन	08
Unit III	1.पारिभाषिक शब्दावली : अवधारणा और निर्माण प्रक्रिया 2. बैंक, बीमा, रेल आदि से संबंधित पारिभाषिक शब्दावली (*पारिभाषिक शब्दावली सूची संलग्न हैं ।)	07
Unit IV	**पत्रकारिता** स्वरूप और अवधारणा, पत्रकारिता के प्रकार, संपादकीय दायित्व और समाचार संपादन,	08
संदर्भ/सहायक ग्रंथ सूची	• सिंह, डॉ.रामगोपाल, प्रयोजनमूलक हिंदी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली • सोनटक्के , डॉ.माधव, प्रयोजनमूलक हिंदी, अमन प्रकाशन, कानपूर • झाल्टे , डॉ.दंगल, प्रयोजनमूलक हिंदी : सिद्धांत और प्रयोग, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली • देशमुख, डॉ.अंबादास, प्रयोजनमूलक हिंदी के अधुनातन आयाम, अमन प्रकाशन, कानपूर • पाटील, डॉ.उर्मिला, प्रयोजनमूलक हिंदी : भाग 1 और 2, शैलजा प्रकाशन, कानपुर • संपा. शेडगे, डॉ.सुधाकर, डॉ.गोविन्द , बुरसे , - प्रयोजनमूलक हिंदी : चिंतन अनुचिंतन, प्रशासनिक शब्दावली (हिंदी और अंग्रेजी) केन्द्रीय हिंदी निदेशालय, नई दिल्ली	

* पारिभाषिक शब्दावली सूची *

Agreement	करार /अनुबंध	Face value	अंकित मूल्य	Key raw material	आधारभूत कच्चा मॉल	Pending	अनिर्णीत
Amount	राशी/रक्कम	Financial year	वित्तीय वर्ष	Key sector	मूल क्षेत्र	Price index	मूल्य सूचकांक
Allowance	भत्ता	Firm	कंपनी/व्यवसाय	Lean year	मंदा वर्ष	Profit	लाभ
Blance sheet	तुलन पत्र	Forum	मंच	License	अनुज्ञप्ति	Quantitative	परिणामात्मक
Banker	साहूकार	Guarantee	आश्वासन	Lock out	तालाबंदी	Quarterly	तिमाही/त्रैमासिक
Benefit	लाभ/ हित	Guarantor	आश्वासक	Manual	नियमावली	Query	प्रश्नचिन्ह
Compromise	समझौता	Honorarium	मानदेय	Negotiation	(समझौते) की बातचीत	Regional	क्षेत्रीय/ प्रादेशिक
Confiscation	जब्ती	Hypothecate	गिरवी रखना	Nominate	नामनिर्देश	Schedule	तालिका
Dead account	बंद खता	Incidental	प्रासंगिक	Norms	मानक/मानदंड	Scorer	गणक
Debenture	ऋणपत्र	Indenture	ऋणपत्र/करार नामा	On demand	मांगने पर	Scrutiny	छानबीन
Employer	नियोजक	Joining report	कार्यारंभ प्रतिवेदन	Orders	आदेश	Sequence	अनुक्रम
Enclosure	सलग्नक	Joint venture	संयुक्त उपक्रम	Original cast	मूल लागत	Tenure	कार्यकाल
Exchange ratio	विनिमय दर	Jurisdiction	क्षेत्राधिकार	Option	विकल्प	Time bond	समय बद्ध
Clause	खंड	Transaction	लेन-देन	On deputation	प्रतिनियुक्ति पर	Table	सारणी/पटल
Complaint	शिकायत	Undertaking	वचनबंध	Transaction	लेन-देन	Under review	समीक्षाधीन
Confidential	गोपनीय	Underwriter	हामीदार	Undertaking	वचनबंध	Urgent	अत्यावश्यक
Context	सन्दर्भ	Unofficial	अशासकीय	Underwriter	हामीदार	Verbal discussion	मौखिक विमर्श
Constructive	रचनात्मक	Vague	अस्पष्ट	High priority	उच्च प्राथमिकता	Work sheet	कार्य पत्रक
Declaration	घोषणा	Validity	वैधता	Irregularities	अनियमितता	Working days	कार्य दिवस
Designation	पदनाम	Violation	उल्लंघन	Inspection	निरिक्षण	Warning	चेतावनी
Directive	निदेश	Warehouse	माल गोदाम	Liability	देयता/योग्यता	Zonal office	क्षेत्रीय कार्यालय

Emergence	आपात	Wholesale	थोक व्यापर	Pattern	ढांचा	Agent	अभिकर्ता/ एजंट
Exigency	तात्कालिक आवश्यकता	Zonal	क्षेत्रीय	Permission	अनुमति	Advance copy	अग्रिम प्रति
Explanation	स्पष्टीकरण	Liable	दायी/जिम्मेदारी	Persistent	निरंतर	Amendment	संशोधन
Endorsement	पृष्ठांकन	Lease	पट्टे पर देना	Punishable	दंडनीय	Applicable	लागु
Folio	फोलियो	Memorandum	ज्ञापन	Realignment	मान्यताप्राप्त	Article	अनुच्छेद
Forgery	जालसाजी	Miscellaneous	विविध	Realisation	परिपूर्ति / वसूली	Table	सारणी/पटल
Guidance	निर्देशन	Modification	संशोधन	Recognised		Under review	समीक्षाधीन
General	सामान्य	Mode of payment	भुगतान की पद्धति	Remarkable	उल्लेखनीय	Urgent	अत्यावश्यक
Guardian	संरक्षक	Negligence	लापरवाही	Revision	पुनरीक्षण/ दोहराना	Verbal discussion	मौखिक विमर्श
Gazette	राजपत्र	Non – security	गैरकानूनी	Statistical	सांख्यिकीय	Work sheet	कार्य पत्रक

द्वितीय वर्ष कला (S.Y.B.A.HINDI)

चतुर्थ सत्र (Semester IV)

HIN SEC-241: प्रात्यक्षिक

श्रेयांक (Credits) : 02 **कुल अंक :** 50

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective)	1. छात्रों में हिंदी लेखन के प्रति रूचि निर्माण कराना 2. हिंदी के व्यावहारिक उपयोगिता का ज्ञान देना 3. प्रस्तुत अध्यापन के द्वारा रोजगार की संभावनाओ से अवगत कराना 4. छात्रों की विचार क्षमता तथा कल्पनाशीलता को बढ़ावा देना
पाठ्यक्रम का प्रतिफल (Course Outcomes)	1. छात्रों में हिंदी लेखन के प्रति रूचि निर्माण होगी 2. हिंदी के व्यवहारिक उपयोगिता का ज्ञान मिलेगा 3. छात्र प्रस्तुत पाठ्यक्रम के द्वारा रोजगार की संभावनाओ से अवगत हो पाएंगे 4. छात्रों की विचार क्षमता तथा कल्पनाशीलता को बढ़ावा मिलेगा

पाठ Content	**तसिकाएं Hours**
प्रात्यक्षिक के रूप में लघु -रिपोर्ट या प्रपत्र तैयार करना	60

* लघु -रिपोर्ट या प्रपत्र का स्वरूप

The students are expected to write a journal. Practical Format for Writing in Journal:

1. Title:
2. Aim:
3. Method/Theory:
4. Material Required:
5. Procedure:
6. Deliverable:
    a. Discussion / description / charts / presentations / infographics / diagrams / models / audio / audio-visual
    b. Observation/s & Findings:
    c. Conclusion:

Examination and Evaluation

Sr.	Particulars	Internal Evaluation Marks	External Evaluation Marks
1.	Journal	10	10
2.	PowerPoint Presentation	10	10
3.	Viva Voce	5	5

S.Y.B. Com, B.Sc HINDI

चतुर्थ सत्र (Semester IV)

HIN OE/GE-241: व्यंग्य साहित्य

श्रेयांक (Credits) : 02 **अंतर्गत परीक्षा :** 20

कुल अंक : 50 **सत्रांत परीक्षा:** 30

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective)	1. हिंदी के व्यंग्य साहित्य से परिचित कराना 2. हास्य और व्यंग्य के अंतर को समझाना 3. व्यंग्य की व्यंजनात्मक भाषा से परिचित कराना 4. हिंदी व्यंग्य लेखन परम्परा से अवगत कराना	
पाठ्यक्रम का प्रतिफल (Course Outcomes)	1. हिंदी के व्यंग्य साहित्य से परिचित होंगे 2. हास्य और व्यंग्य के अंतर को समझेंगे 3. व्यंग्य की व्यंजनात्मक भाषा से परिचित होंगे 4. हिंदी व्यंग्य लेखन परम्परा से अवगत होंगे	
इकाई Unit	**पाठ Content**	**तसिकाएं Hours**
Unit I	**1.व्यंग्य का स्वरूप और सिद्धांत** 1.1 व्यंग्य का स्वरूप और सिद्धांत 1.2 व्यंग्य की परिभाषा 1.3 व्यंग्य के तत्व 1.4 व्यंग्य के प्रकार 1.5 हास्य और व्यंग्य में अंतर 1.6 व्यंग्य लेखन की परंपरा	07
Unit II	**2.शंकर पुणतांबेकर के चयनित व्यंग्य -भाग -1** 2.1 आदर्श एवं यथार्थ 2.2 कालिदास और शेक्सपियर 2.3 जंगल 2.4 तीन सिकंदर 2.5 नाग का जनमेजय यज्ञ 2.6 निष्ठा का पेड़ 2.7 पगडंडी 2.8 पादचारी	08
Unit III	**3.शंकर पुणतांबेकर के चयनित व्यंग्य-भाग -2** 3.1 भारत और इंडिया 3.2 मेरे नाविक 3.3 यज्ञ 3.4 रुग्णालय की गोड में 3.5 लॉकर का भूत	07

	3.6 प्रतिबिंब 3.7 बाढ 3.8 ब्युरोक्रेट	
Unit IV	**4.अध्ययनार्थ विषय** 4.1 राजनीतिक व्यंग्य 4.2 सामाजिक व्यंग्य 4.3 मनोवैज्ञानिक व्यंग्य 4.4 पौराणिक व्यंग्य 4.5 ऐतिहासिक व्यंग्य 4.6 आर्थिक व्यंग्य 4.7 धार्मिक व्यंग्य 4.8 नौकरशाही व्यंग्य	08
संदर्भ/सहायक ग्रंथ सूची	• नागर, श्री अमृतलाल , मेरी श्रेष्ठ व्यंग्य रचनाएं , ज्ञान भारती प्रकाशन, दिल्ली- 1977 • मेहंदीरता, डॉ.वीरेंद्र ,आधुनिक हिंदी साहित्य में व्यंग्य, रिसर्च पब्लिकेशन इनसोशल साइंस, दिल्ली - 1976 • शर्मा, डॉ.उषा , स्वातंत्र्योत्तर हिंदी साहित्य में व्यंग्य , आत्माराम एंड संस, दिल्ली - 1985 • दीक्षित, डॉ.प्रेम नारायण, हास्य के सिद्धांत तथा आधुनिक साहित्य, साहित्य भंडार, लखनऊ - 1954 • शुक्ल, डॉ.प्रेमनारायण, हिंदी साहित्य के विविध वाद, हिंदी साहित्य भंडार, लखनऊ -प्र.सं 1980 • मिश्र, डॉ.सभापति, हिंदी नाट्य साहित्य में हास्य व्यंग्य , साहित्य रत्नालय, कानपुर – 1980 • पुणतांबेकर, डॉ. शंकर, कैक्टस के कांटे , पंचशील प्रकाशन, जयपुर - 1974 • डॉ. शांतारानी, हिंदी नाटकों में हास्य तत्व, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद-1981 • गर्ग, डॉ. शेरजंग, व्यंग्य की मूलभूत प्रश्न, साहित्य भारती, दिल्ली - प्र.सं 1973 • वर्मा, डॉ.राधेश्याम, हिंदी व्यंग उपन्यास, साहित्य भारती, दिल्ली - प्र.सं 1990 • पाटिल,रा.वा., एक व्यंग्य यात्रा, आलोक संस्कृति अकादमी, जलगांव – 1987 • दुबे, डॉ. हरिशंकर, स्वातंत्र्योत्तर हिंदी गद्य में व्यंग्य , विकास प्रकाशन, कानपुर	

SYBA, B. Com, B. Sc HINDI

चतुर्थ सत्र (Semester IV)

HIN MIL-241: विज्ञान कथाएं एवं उद्यमियों की प्रेरक कथाएं

श्रेयांक (Credits) : 02 **अंतर्गत परीक्षा :** 20

कुल अंक : 50 **सत्रांत परीक्षा:** 30

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective)	1.छात्रों की विज्ञान कथाओं एवं उद्यमियों की जीवन कथाओं से परिचित करना 2.छात्रों को विज्ञान एवं प्रेरक रचनाकारों से परिचित कराना 3.छात्रों को उद्यमिता के मूल सिद्धांतों को समझाना 4.छात्रों में उद्यमियों के नवाचार और जोख़िम एवं नेतृत्व को जानना	
पाठ्यक्रम का प्रतिफल (Course Outcomes)	1. छात्र विज्ञान कथाओं एवं उद्यमियों की जीवन कथाओं से परिचित हो सकेंगे 2. छात्र विज्ञान एवं प्रेरक रचनाकारों से परिचित हो पाएंगे 3. छात्र उद्यमिता के मूल सिद्धांतों को समझ सकेंगे 4. छात्र उद्यमियों के नवाचार और जोख़िम एवं नेतृत्व को जान सकेंगे और प्रेरित होंगे	
इकाई Unit	**पाठ Content**	**तसिकाएं Hours**
Unit I	**1.निर्धारित पाठ्यपुस्तक : रोमांचक विज्ञान कथाएँ** **संपादक:- जयंत विष्णु नारलीकर** **प्रकाशन:- विद्या विहार प्रकाशन,नई दिल्ली ।** विज्ञान कथा का स्वरुप, विज्ञान कथा का विकास क्रम, विज्ञान कथा की परिभाषाएँ, विज्ञान कथा का अर्थ, विज्ञान कथाओं का महत्व, विज्ञान कथाओं में विज्ञान और कल्पना का मेल।	07
Unit II	**2.अध्ययनार्थ विज्ञान कथाएँ** 1. हिम युग की वापसी 2. और मुंबई जल उठा 3. साहसिक कार्य 4. हरे आक्रमणकारी 5. वायरस	08
Unit III	**3.निर्धारित पाठ्य पुस्तक : मेरे देश की धरती** **संपादक : रश्मि बंसल** **प्रकाशन:- वैस्टलैंड़ लिमिटेड, यात्रा विद्या प्रकाशन, नई दिल्ली ।** उद्यमशिलता कथा का स्वरुप उद्यमशिल कथा का विकास क्रम उद्यमशिलता कथा की परिभाषाएँ उद्यमशिलता कथा का अर्थ उद्यमशिल कथाओं का महत्व	07

Unit IV	**4.अध्ययनार्थ प्रेरक कथाएं** 1.खारा नमक - चंदूभाई वीरानी - बालाजी वेफर्स 2.कुछ अच्छे इंसान - नंदकिशोर चौधरी -जयपुर रग्स 3.पहला नशा - विवेक देशपांडे	08
संदर्भ/सहायक ग्रंथ सूची	• रोमांचक विज्ञान कथाएँ- जयंत विष्णु नारलीकर संपादक,प्रकाशन-विद्या विहार प्रकाशन,नई दिल्ली • मेरे देश की धरती - रश्मि बंसल संपादक- वैस्टलैंड़ लिमिटेड,यात्रा विद्या प्रकाशन,नई दिल्ली	

द्वितीय वर्ष कला (S.Y.B.A.)

चतुर्थ सत्र (Semester IV)

HIN FP-241 Field Project

श्रेयांक (Credits) : 02 **कुल अंक :** 50

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective)	1. सामाजिक संबद्धता हेतु छात्रों को तैयार करना 2. छात्रों की सोच और प्रतिबद्धता को प्रेरणा प्रदान करना 3. सामाजिक समस्याओं के प्रति जाग्रत करना 4. समाज में प्रत्यक्ष जाकर कृतिशील गतिविधियों का संचालन करना
पाठ्यक्रम का प्रतिफल (Course Outcomes)	1. सामाजिक संबद्धता हेतु छात्रों को तैयार हो पाएंगे 2. छात्रों की सोच और प्रतिबद्धता को प्रेरणा प्राप्त होगी 3. छात्र सामाजिक समस्याओं के प्रति जाग्रत होंगे 4. छात्र समाज में प्रत्यक्ष जाकर कृतिशील गतिविधियों का संचालन कर सकेंगे

प्रत्यक्ष गांवों या अंचलों में जाकर की हुई विविध गतिविधियों पर आधारित परियोजना और उसका मूल्यांकन	60

Guidelines for CEP & FP

In alignment with the National Education Policy (NEP) 2020, Moolji Jaitha College (Autonomous), Jalgaon is introducing the Community Engagement Program and Field Project at the undergraduate level. The NEP 2020 emphasizes holistic development, inclusivity, and integrating vocational education with academic learning, aiming to nurture socially responsible individuals. This course fosters a strong connection between education and real-world applications. We believe that experiential learning, community involvement, and fieldwork are essential components of a well-rounded education. These initiatives aim to bridge the gap between theoretical knowledge and practical experience, helping students develop critical thinking, problem-solving skills, and a sense of civic responsibility. Additionally, students will learn about the challenges faced by vulnerable households and appreciate local wisdom and lifestyles.

Inspired by NEP 2020, the Community Engagement Program and Field Project aim to produce knowledgeable, compassionate, and proactive graduates, contributing to a more just, equitable, and sustainable society.

Objectives

- Engage students in activities that foster emotional, social, and intellectual growth, encouraging a well-rounded approach to personal and academic development.

- Provide hands-on experiences that complement classroom learning, enabling students to apply their knowledge in real-world settings and improve the quality of their education through practical applications.
- Develop a sense of responsibility towards the community by encouraging students to actively participate in social and environmental initiatives, and appreciate rural culture, lifestyle, and wisdom.
- Promote teamwork and collaboration among students, educators, and community members to address local issues and challenges, enhancing collaborative problem-solving skills.
- Ensure the program is accessible to all students, regardless of their socio-economic background, while educating them about the status of various agricultural and development programs and the challenges faced by vulnerable households.

Learning Outcomes

After completing this course, students will be able to

- Gain an understanding of rural life, Indian culture and ethos and social realities
- Develop a sense of empathy and bonds of mutuality with the local community
- Appreciate significant contributions of local communities to Indian society and economy
- Learn to value the local knowledge and wisdom of the community
- Identify opportunities for contributing to community's socio-economic improvements

Course Structure: 2 Credits Course (60 hours)

S. No.	Module Title	Module Content	Assignment	Teaching/ Learning Methodology
1	**Appreciation of Rural Society**	Rural lifestyle, rural society, caste and gender relations, rural values with respect to community, nature and resources, elaboration of "soul of India lies in villages', rural infrastructure.	Prepare a map (physical, visual or digital) of the village you visited and write an essay about inter-family relations in that village.	– Classroom discussions – Field visit – Assignment Map
2	**Understanding rural and local economy and livelihood**	Agriculture, farming, land ownership, water management, animal husbandry, non-farm livelihoods and artisans, rural entrepreneurs, rural markets, migrant labour.	Describe your analysis of the rural house hold economy, its challenges and possible pathways to address. Circular economy and migration patterns.	– Field visit – Group discussions in class – Assignment

3	**Rural and local Institutions**	Traditional rural and community organisations, Self-help Groups, Panchayati raj institutions (Gram Sabha, Gram Panchayat, Standing Committees), Nagarpalikas and municipalities, local civil society, local administration.	How effectively are Panchayati Raj and Urban Local Bodies (ULBs) institutions functioning in the village? What would you suggest to improve their effectiveness? Present a case study (written or audio-visual).	– Classroom – Field visit – Group presentation of assignment
4	**Rural and National Development Programmes**	History of rural development and current national programmes in India: Sarva Shiksha Abhiyan, Beti Bachao, Beti Padhao, Ayushman Bharat, Swachh Bharat, PM Awaas Yojana, Skill India, Gram Panchayat Decentralised Planning, National Rural Livelihood Mission (NRLM), Mahatma Gandhi National Rural Employment Guarantee Act 2005 (MGNREGA), SHRAM, Jal Jeevan Mission, Scheme of Fund for Regeneration of Traditional Industries (SFURTI), Atma Nirbhar Bharat, etc.	Describe the benefits received and challenges faced in the delivery of one of these programmes in the local community; give suggestions about improving the implementation of the programme for the poor. Special focus on the urban informal sector and migrant households.	– Classroom – Each student selects one program for field visit – Written assignment

Note: The modules are suggestive in nature and students can opt any one activities for community engagement program and field project based on topic appropriate to their regional community context.
Suggestive Themes for field-based / community engagement activities are listed below:

- Interaction with Self Help Groups (SHGs) women members, and study their functions and challenges; planning for their skill-building and livelihood activities;
- Visit Mahatma Gandhi National. Rural Employment Guarantee Act 2005 (MGNREGS) project sites, interact with beneficiaries and interview functionaries at the work site;
- Field visit to Swachh Bharat project sites, conduct analysis and initiate problem solving measures;
- Conduct Mission Antyodaya surveys to support under Gram Panchayat Development Plan (GPDP);
- Interactive community exercise with local leaders, panchayat functionaries, grass-root officials and local institutions regarding village development plan preparation and resource mobilization;
- Visit Rural Schools/mid-day meal centres, study academic and infrastructural resources, digital divide and gaps;

- Participate in Gram Sabha meetings, and study community participation;
- Associate with Social audit exercises at the Gram Panchayat level, and interact with programme beneficiaries;
- Visit to local Nagarpalika office and review schemes for urban informal workers and migrants;
- Attend Parent Teacher Association meetings, and interview school drop outs;
- Visit local Anganwadi Centre and observe the services being provided;
- Visit local NGOs, civil society organisations and interact with their staff and beneficiaries;
- Organize awareness programmes, health camps, Disability camps and cleanliness camps;
- Conduct soil health test, drinking water analysis, energy use and fuel efficiency surveys and building solar powered village;
- Raise understanding of people's impacts of climate change, building up community's disaster preparedness;
- Organise orientation programmes for farmers regarding organic cultivation, rational use of irrigation and fertilizers, promotion of traditional species of crops and plants and awareness against stubble burning;
- Formation of committees for common property resource management, village pond maintenance and fishing;
- Identifying the small business ideas (handloom, handicaraft, khadi, food products, etc.) for rural areas to make the people self-reliant.
- Management curriculum may include aspects of micro-financing in a rural context;
- Chemistry syllabus can have a component of conducting water and soil analysis in surrounding field areas;
- Political science syllabus could include a mapping of local rural governance institutions and their functioning.
- Environment education will include areas such as climate change, pollution, waste management, sanitation, conservation of biological diversity, management of biological resources and biodiversity, forest and wildlife conservation, and sustainable development and living
- Understanding panchayats and constitutional mandate of local governance
- Panchayat administration, Gram Sabha, Mahila Sabha, Gram Panchayat Development Plan (GPDP), local planning of basic services.
- Micro-finance, SHGs, system of savings and credit for local business, linkages to banks, financial inclusion.
- Rural – entrepreneurship, opportunities for small business in local communities, access to financial and technical inputs to new entrepreneurs.
- Renewable energy, access to household and community level solar and bio-mass systems for sustainable energy use.
- Participatory Monitoring and evaluation of socio-economic development programmes, and cost-benefit analysis of project proposals.
- Participatory decentralised planning, Gram Panchayat Development Plan (GPDP), and micro-level data analysis for new investments.
- Urban informal settlements and basic services.
- Migrant workers' livelihood security and social services.
- Hygiene and sanitation, improving health and personal behaviours, locally manageable decentralised systems and awareness against stubble burning.
- Water conservation, traditional practices of storage and harvesting, new systems of distribution and maintenance.

- Women's empowerment, gender inequality at home, community and public spaces, safety of girls and women, access to skills, credit and work opportunities.
- Child security, safety and good parenting, nutrition and health, learning and training for child care.
- Rural Marketing, market research, designing opportunities for rural artisans and crafts, and new products based on demand assessment.
- Community Based Research in Rural Settings, undertaking research that values local knowledge, systematises local practices and tools for replication and scale-up.
- Peri-urban development of informal settlements, mapping and enumeration, design of local solutions.

The field based activities should be conducted using community-based participatory research methodology in partnership with local community institutions and relevant public agencies so that the findings of research are shared with them and they develop ownership of the same.

Teaching and Learning Methods

- An ICT based online/offline module needs to be prepared for self-paced learning by students for one credit which can be supplemented through discussions in the classroom.
- Reading and classroom discussions, Participatory Research Methods and Tools, Community dialogues, Oral history, social and institutional mapping, interactions with elected panchayat leaders and government functionaries, Observation of Gram Sabha, Field visits to various village institutions
- Classroom theory must be linked to the realities of the local field areas.

Implementation Strategy

- **Field Projects**: Students will undertake field projects that address local community needs, such as environmental conservation, public health initiatives, or educational outreach programs. These projects will be guided by faculty and community mentors, ensuring that students receive support and feedback throughout the process.
- **Community Partnerships**: Collaborations with local organizations, NGOs, and government bodies will be established to provide students with diverse opportunities for engagement and learning. These partnerships will also help in identifying areas where students can make a significant impact.
- **Workshops and Training**: Regular workshops and training sessions will be conducted to equip students with the necessary skills and knowledge for effective community engagement. Topics will include project management, communication skills, and leadership development.
- **Assessment and Reflection**: Students will be encouraged to reflect on their experiences through presentations, reports, and discussions. This reflective practice will help them to critically analyze their work and its impact on the community.

Assessment:

- Readings from related literature including e-content and reflections from field visits should be maintained by each student in a Field Diary.
- Participation in Field Visits should be allocated 30% marks; group field project should have 40% of total marks; presentation of field project findings to the community institution should have 30% of total marks.

हिंदी अध्ययन मंडल

नाम	पद	पता
डॉ.रोशनी पवार	अध्यक्ष	मू.जे.महाविद्यालय (स्वशासी), जलगांव
डॉ.विजय लोहार	सदस्य	मू.जे.महाविद्यालय (स्वशासी), जलगांव
डॉ.मनोज महाजन	सदस्य	मू.जे.महाविद्यालय (स्वशासी), जलगांव
डॉ.दत्तात्रय मुरुमकर	सदस्य	हिंदी विभाग, मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई
डॉ.शाकीर शेख	सदस्य	अध्यक्ष, हिंदी विभाग, पूना कॉलेज, पुणे
डॉ.संजय रणखांबे	सदस्य	अण्णासाहेब डॉ.जी.डी.बेंडाळे महिला महाविद्यालय, जलगांव
श्री.युवराज माळी	सदस्य	अथर्व पब्लिकेशन, जलगांव
मुक्ति जैन	सदस्य	जलगांव